अर्थशास्त्र तथा वाणिज्य भूगोल–कक्षा–12

कोविड–19 महामारी के कारण शैक्षिक सत्र–2020–21 में समय से विद्यालयों में पठन–पाठन का कार्य न हो पाने की स्थिति में सम्यक विचारोपरान्त विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा निम्नवत् 30 प्रतिशत पाठ्यक्रम कम किये जाने की अनुशंसा की गयी है:–

खण्ड–क (अर्थशास्त्र)

(1) विनिमय– मांग तथा पूर्ति अनुसूची तथा वक्र रेखायें।

(2) सहकारिता– केन्द्रीय सहकारी बैंक।

(3) वितरण– व्याज

खण्ड–ख (वाणिज्य भूगोल)

(1) फसलों की उपज तथा उनका व्यापार।

(5) महत्वपूर्ण निर्माण कला उद्योग और उनका स्थायीकरण।

(7) बन्दरगाह।

(8) भारत के विदेशी व्यापार की प्रकृति एवं लक्ष्य।

उपर्युक्त के अनुक्रम में 70 प्रतिशत का पाठ्यक्रम निम्नवत् है–

इसमें 100 अंकों का केवल एक प्रश्न–पत्र समय 3 घण्टे का होगा। न्यूनतम उत्तीर्णांक 33

खण्ड–क (अर्थशास्त्र) **50 अंक**

(1) विनिमय–वस्तु विनिमय, क्रय–विक्रय। मुद्रा धातु एवं कागजी मुद्रा। मांग पूर्ति का पारस्परिक सम्बन्ध और मूल्य निर्धारण, अल्पकालीन तथा दीर्घकालीन स्थिति में तथा पूर्ण–अपूर्ण स्पर्धा में मांग और पूर्ति का संतुलन। 25 अंक

(2) सहकारिता–सहकारिता के सिद्धान्त, सहकारी संस्थाओं के प्रकार, प्रदेशीय सहकारी बैंक। 15 अंक

(3) वितरण–लगान, मजदूरी और लाभ। 10

खण्ड–ख (वाणिज्य भूगोल) **50 अंक**

भारत के वाणिज्य भूगोल का निम्न स्तर पर विस्तृत अध्ययन–

(1) कृषि साधन, मिट्टी, जलवायु, सिंचाई। 9

(2) वन, वनों का आर्थिक महत्व और उनसे प्राप्त उपज, प्रयोग। 9

(3) खनिज पदार्थ और उसका प्रयोग। 8

(4) जल शक्ति और उनका प्रयोग। 8

(6) कुटीर उद्योग धन्धे। 8

(7) यातायात के साधन। 8

पुस्तकें–कोई भी पुस्तक संस्तुत नहीं की गयी है। संस्था के प्रधान, विषय अध्यापक के परामर्श से पाठ्यक्रम के अनुरूप उपयुक्त पुस्तक का चयन कर लें।